मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 18 अगस्त 2017

संयुक्त अनुसंधान के लिए जेएमआई सहित चार विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग की पहल

भारत के तीन प्रमुख विश्वविद्यालयों जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय :एएमयूः, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय और अमेरिका की यूनिवसर्टी ऑफ कैलिफोर्निया रिवरसाइड ने अनुसंधान और शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग और स्तर को बढ़ाने तथा अपने अविष्कारों का पेटेंट कराने में आपसी सहयोग के लिए आपस में हाथ मिलाया।

जेएमआई की चांसलर और मणिपुर की राज्यपाल नजमा हेपतुल्ला की पहल और अध्यक्षता में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में कल शाम इस बारे में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में यूनिवसर्टी ऑफ कैलिफोर्निया रिवरसाइड के पूर्व एक्जूक्टिव वाइस चांसलर सहित जेएमआई, एमयू और जामिया हमदर्द के वाइस चांसलर उपस्थित हुए। इस बैठक में गहन विचार विमर्श के बाद एक दूसरे के अध्यापकों, छात्रों के साथ ही अनुसंधान पत्रों के आदान प्रदान तथा तीन चार महीनों में एक बार चारों विश्वविद्यालयों के बीच वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए सहयोग की प्रक्रिया पर चर्चा करने के सहमति बनी।

चांसलर नजमा हेपतुल्ला ने कहा कि जेएमआई को देश का नंबर एक विश्वविद्यालय बनाने का उनका सपना है और चारों विश्वविद्यालयों की यह पहल

उसमें सहायक साबित होगी। उन्होंने कहा कि जेएमआई के एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर :एमसीआरसीः और इंजीनियरिंग विभागों को उनकी उत्कृष्टता के चलते सब जानते हैं। इसके कई अन्य विभाग भी बढ़ियां काम कर रहे हैं और अब चार विश्वविद्यालयों के बीच आपसी सहयोग बढ़ने से इन सबका स्तर और ज़्याद बढ़ेगा।

जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने कहा कि संसाधनों की कमी को देखते हुए आज विश्वविद्यालयों को मिल कर काम करने की आवश्यकता है जिससे कि शिक्षा, खासकर अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि आज विज्ञान और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने और लीक से हट कर गहन सोच और अनुसंधान की ज़रूरत है।

यूनिवसर्टी ऑफ कैलिफोर्निया रिवरसाइड के पूर्व एक्ज़ेक्यूटिव वाइस चांसलर पाल जोज़फ़ डोनेयर ने कहा, ''भारत के इन तीनों विश्वविद्यालयों में कुछ न कुछ खास विशेषताएं हैं। मास कम्युनिकेशन के लिए जेएमआई के एमसीआरसी, फार्मेसी के लिए जामिया हमदर्द और इंजीनियरिंग के लिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय दुनिया भर में जाने जाते हैं।

उन्होंने सुझाव दिया कि ये चारों विश्वविद्यालय मिल कर बड़े कामों को अंजाम दे सकते हैं। इस बात पर सोचा जा सकता है कि इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राईट्स पर मिल कर काम कैसे किया जाए और खर्चे को कम करने के लिए कैसे आपसी सहयोग से अपने अविष्कारों का पेटेंट कराया जाए।

प्रो अहमद ने कहा कि संसाधनों की कमी के कारण अनुसंधान के लिए स्पान्सर्शिप का प्रायोजन करना पड़ता है। पर्यावरण परिवर्तन और उससे होने वाली विनाशकारी आपदाओं से निपटने के लिए आज गंभीर अनुसंधान की जरूरत है।

आपस में मिलकर ही संसाधन जुटाकर इन क्षेत्रों में स्तरीय अनुसंधान किया जा सकता है।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर तारिक मंसूर ने कहा कि उनका विश्वविद्यालय पूरी तरह से आवासीय है। इसकी 13 फैक्लटियां हैं। हाल ही में इस विश्वविद्यालय ने अंतरराष्टीय अध्ययन केन्द्र खोला है। उसका इंजीनियरिंग विभाग विश्वस्तरीय है।

जामिया हमदर्द विशविद्यालय के वाइस चांसलर सैयद एहतशाम हसनैन ने बताया कि उनके यहां का फार्मेसी विभाग भारत में शीर्ष स्थान पर है। उन्होंने कहा कि यूनानी फार्मेसी में विश्वविद्यालय ने कई महत्वपूर्ण अविष्कार किए हैं। चारों विश्वविद्यालयों के सहयोग से उसके अनुसंधान और अविष्कारों को पेटेंट कराने में आसानी होगी।

चारों विश्वविद्यालयों के सहयोग पर हुई इस चर्चा में जेएमआई के सभी विभागों के डीन, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार और अन्य प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

इसके अलावा बैठक में मेघावी गरीब छात्रों को आईआईटी की प्रवेश परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षित करने वाले संगठन ''रहमानी 30 '' के अमीर ए शरियत हज़रत मुहम्मद वली रहमानी साहब और इसके सीईओ फहद रहमानी ने भी अपनी राय रखी। बैठक में यूनिवसर्टी ऑफ कैलिफोर्निया रिवरसाइड में प्रोजेक्ट मनेजमेंट विभाग के निदेशक अहमद वली फैसल रहमानी भी मौजूद थे।

प्रो अहमद ने ''रहमानी 30'' के सीईओ फहद रहमानी से आग्रह कि वह संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के लिए छात्रों को तैयारी कराने वाले जेएमआई की आवासीय कोचिंग अकादमी में भी सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यह अकादमी

लोक सेवाओं के अलावा आईआईटी, मेडिकल, इंजीनियरिंग और न्यायिक परीक्षाओं के लिए भी छात्रों को प्रशिक्षण देना चाहती है।

रहमानी ने इसमें पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया और इस संबंध में एक योजना का खाका बनाने का सुझाव दिया।

साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर

9891227771